CMYK

Web: www.uttaranchaldeep.com | Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में शुक्रवार
सायं 5:31 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में शनिवार
सुबह 7:07 बजे

सांध्य दैनिक

उत्तरांचल दीप

सबके हाथ सच के साथ

हल्द्वानी | वर्ष 18 अंक 182 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

बॉर्डर 2 में वरुण धवन की ...पेज-3 पर

News कॉर्नर

अंकिता हत्याकांडः कल राजधानी में निकालेंगे मशाल जुलूस

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी के नाम का खुलासा करने और पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग के लिए विभिन्न संगठनों ने आंदोलन की रणनीति बनाई है। इसके तहत 10 जनवरी को गांधी पार्क से मशाल जुलूस और 11 जनवरी को प्रदेश बंद का आह्वान किया गया है। बृहस्पतिवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात करते हुए महिला मंच की अध्यक्ष कमला पंत ने कहा कि जब तक मामले में कथित वीआईपी के नाम का खुलासा नहीं किया जाता, तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश में भी वीआईपी के विषय में कोट किया गया है और अंकिता व उसके मित्र के बीच की बातचीत में भी इसका जिक्र सामने आया है।

मनरेगा में किए बदलाव के विरोध में कांग्रेस चलाएगी प्रदेशव्यापी आंदोलन

देहरादून। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) की जगह विकसित भारत जी राम जी ग्रामीण अधिनियम लागू करने के विरोध में कांग्रेस प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाएगी। इसकी शुरुआत 10 जनवरी से की जाएगी।
राजपुर रोड स्थित एक होटल में उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा की अध्यक्षता में राजनीतिक मामले समिति की बैठक में मनरेगा में किए गए बदलाव के विरोध में प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया। सैलजा ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने पूरे देश में मनरेगा योजना में किए गए बदलाव का विरोध करने का फैसला लिया है। प्रत्येक राज्य में योजनाबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा। उत्तराखंड में 10 जनवरी को जिलास्तर पर प्रेसवार्ता कर मनरेगा की जगह वीबी जी राम जी अधिनियम की हकीकत को सामने लाया जाएगा।

छह जिलों में घने कोहरे की चेतावनी, फिलहाल बारिश-बर्फबारी की संभावना नहीं

देहरादून | हमारे संवाददाता

उत्तराखंड के मैदानी जिले देहरादून, ऊधमसिंह नगर व हरिद्वार समेत नैनीताल, चंपावत और पौड़ी में घना कोहरा छाए रहने का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तराखंड में बारिश-बर्फबारी की बेरुखी का सीधा असर तापमान पर पड़ने लगा है। बारिश-बर्फबारी न होने से प्रदेशभर में सूखी ठंड परेशान कर रही है। पर्वतीय इलाकों में शीतलहर और पाला तो मैदानी इलाकों में कोहरे ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार नौ

जनवरी को भी प्रदेश के मैदानी जिले देहरादून, ऊधमसिंह नगर व हरिद्वार समेत नैनीताल, चंपावत और पौड़ी में घना कोहरा छाए रहने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि पर्वतीय क्षेत्रों में दिन के समय धूप खिलने से ठंड से थोड़ा राहत मिल रही है लेकिन सूखी ठंड से फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद कम है। आने वाले दिनों की बात करें तो 14 जनवरी तक प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। बृहस्पतिवार के आंकड़ों पर नजर डालें तो दिनभर धूप खिलने से अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहा। जबकि रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहा। देहरादून में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री बढ़ोतरी के साथ 21.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जबकि रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कमी के साथ 4.4 डिग्री रहा। ऐसा ही हाल प्रदेश के अन्य इलाकों का भी रहा।

गृह मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन

बंगाल में ईडी की कार्रवाई का विरोध तृणमूल के दो सांसद लिए हिरासत में

नई दिल्ली | एजेंसी

टीएमसी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियां चुनाव से पहले पार्टी के रणनीतिक दस्तावेजों तथा डेटा को हाथ लगाने की कोशिश कर रही हैं, जिससे राजनीतिक माहौल और गरमाया गया है। पार्टी का कहना है कि यह कार्रवाई चुनाव वर्ष में राजनीतिक दबाव पैदा करने की साजिश का हिस्सा है। दिल्ली समेत कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन जारी है, जिसमें टीएमसी नेताओं ने प्रवर्तन निदेशालय की I-PAC के खिलाफ छापेमारी का विरोध करते हुए केंद्र सरकार पर कड़ी टिप्पणियां कीं।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में गुरुवार सुबह उस वक्त हंगामा मच गया, जब तृणमूल कांग्रेस के लिए काम करने वाली राजनीतिक परामर्श फर्म I-PAC पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी सामने आई। ईडी ने आईपैक के ऑफिस और फर्म के मुखिया प्रतीक जैन के घर पर छापा मारा, जिसके बाद अब प्रतीक जैन के परिवार ने दस्तावेज चोरी का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अधिकारियों के

अनुसार गुरुवार सुबह करीब 6 बजे प्रतीक जैन के लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास पर ईडी की छापेमारी शुरू हुई, जो करीब 9 घंटे तक चली। दोपहर करीब 3 बजे जब ईडी की टीम वहां से रवाना हुई। इसी बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अचानक प्रतीक जैन के घर और सॉल्ट लेक में उनके ऑफिस पहुंचीं, जहां ईडी की छापेमारी चल रही थी।

टीएमसी सुप्रीमो बनर्जी दोपहर दो बजे जादवपुर 8बी बस स्टैंड से हाजरा मोड़ तक मार्च का नेतृत्व करेंगी। उन्होंने ईडी की कार्रवाई को %राजनीतिक रूप से प्रेरित% बताया और कहा कि इसका मकसद विधानसभा चुनावों से पहले सत्तारूढ़ पार्टी को डराना है। दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय के बाहर टीएमसी सांसदों के विरोध प्रदर्शन पर पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और सांसद समिक भट्टाचार्य ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा टीएमसी नेता पश्चिम बंगाल के लोगों के सामने विरोध प्रदर्शन नहीं कर सकते। जनता ने टीएमसी को समझ लिया है। अगर टीएमसी भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी तो जनता हंसेगी। एक मुख्यमंत्री फाइलें छीन रहा है और ईडी जांच कर रही है, जबकि राजनीतिक कार्यालय पर छापेमारी नहीं हुई। टीएमसी नेता कोयला घोटाले में शामिल हैं। टीएमसी और भ्रष्टाचार पर्यायवाची हैं।

अंकिता के माता-पिता की बातों पर सरकार जल्द लेगी निर्णय, सीएम ने कहा-कानूनी पहलुओं पर विचार

देहरादून | हमारे संवाददाता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अंकिता भंडारी के माता-पिता ने मुलाकात के दौरान कुछ बातें उनके समक्ष रखी हैं जिस पर सरकार जल्द ही निर्णय लेगी। सरकार के स्तर पर लिए जाने वाले निर्णय के लिए कानूनी पहलुओं पर विचार किया जा रहा है।

जिला देहरादून के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के बाद बृहस्पतिवार को मीडिया से रूबरू होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बहन व बेटी की हत्या का मामला संवेदनशील है। माता-पिता को सबसे ज्यादा कष्ट हुआ है कि उनकी बेटी गई है। पहले से ही मेरा मानना था कि अंकिता के माता-पिता जिस भी जांच के लिए कहें, सरकार उसके लिए तैयार है।

मुलाकात के दौरान माता-पिता ने कुछ बातें बताई हैं। उनकी बातों पर सरकार जल्द ही निर्णय लेगी। सीएम ने कहा कि अंकिता की मौत पर राजनीति करने वालों को प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए जिन्होंने एक ऑडियो के वायरल होने पर अपनी जिम्मेदारी का भाव

नहीं दिखाया। राजनीतिक लाभ के लिए प्रदेश में अस्थिरता का माहौल पैदा करने के साथ ही लोगों को भड़काने का प्रयास किया। ऐसा करने वाले लोगों को जनता देख रही है। एक और ऑडियो वायरल हुआ है। उसके बारे में विपक्ष को कहना चाहिए और प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। सीएम ने कहा, कानूनी कार्रवाई चलती रहेगी। दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला आया है। इसके बाद के घटनाक्रम पर प्रदेश में एसआईटी भी मामले की जांच कर रही है। अंकिता के माता-पिता ने जो बातें कहीं, उन पर निर्णय लेने के लिए कानूनी राय ली जा रही है। जल्द ही सरकार इस पर निर्णय लेगी।

ट्रक से टकराई कार, पूर्व मंत्री बाला बच्चन की बेटी सहित तीन की मौत

इंदौर | एजेंसी

इंदौर के रालामंडल क्षेत्र बायपास पर सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा बच्चन की मौत हो गई। उनकी तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई। उनके साथ कार सवार दो युवकों की भी मौत हो गई, जबकि एक युवती गंभीर घायल है।

इंदौर के रालामंडल क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर ट्रक में जा घुसी, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा बच्चन की मौत हो गई। साथ ही कार सवार दो अन्य युवाओं ने भी मौके पर ही दम तो? दिया, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल है। जानकारी के अनुसार कार में सवार चारों दोस्त प्रखर कासलीवाल का जन्मदिन मनाकर लौट रहे थे।

प्रखर ही कार चला रहा था। मृतकों की पहचान पूर्व मंत्री बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा, प्रखर कासलीवाल और मनसिन्धु के रूप में हुई है। प्रेरणा की कुछ समय बाद शादी होने वाली थी। अनुष्का नामक युवती इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई है, उसका उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है।

अंकिता हत्याकांडः कल राजधानी में निकाला जाएगा मशाल जुलूस

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी के नाम का खुलासा करने और पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग के लिए विभिन्न संगठनों ने आंदोलन की रणनीति बनाई है। इसके तहत 10 जनवरी को गांधी पार्क से मशाल जुलूस और 11 जनवरी को प्रदेश बंद का आह्वान किया गया है। बृहस्पतिवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात करते हुए महिला मंच की अध्यक्ष कमला पंत ने कहा कि जब तक मामले में कथित वीआईपी के नाम का खुलासा नहीं किया जाता, तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश में भी वीआईपी के विषय में कोट किया गया है और अंकिता व उसके मित्र के बीच की बातचीत में भी इसका जिक्र सामने आया है।

हाईकोर्ट से राहत के बाद पूर्व विधायक राठौर घर लौटे

हरिद्वार | हमारे संवाददाता

पूर्व विधायक सुरेश राठौर बहादराबाद थाने में दर्ज रिपोर्ट के मामले में हाईकोर्ट से अंतरिम राहत मिलने के बाद बृहस्पतिवार को हरिद्वार लौट आए। ज्वालापुर स्थित अपने आवास पर पहुंचे राठौर ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि वे न्याय के लिए पूरी तरह आश्वस्त हैं और सच्चाई सामने आने तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

राठौर का दावा है कि एक सोची-समझी साजिश के तहत उनके साथियों को भी रिपोर्ट में घसीटने का प्रयास किया गया। राठौर ने यह भी कहा कि रविदास पीठ की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मैंने न

तो किसी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और न ही किसी का अपमान किया। यदि किसी मामले में कोई दोषी बच गया है तो उस पर सरकार जो भी निर्णय लेगी, वह स्वीकार्य होगा।

वायरल ऑडियो पर पूर्व विधायक ने सवाल उठाते हुए कहा कि तकनीक के इस दौर में एआई के माध्यम से आवाज तैयार करना संभव है। उन्होंने मांग की कि ऑडियो की निष्पक्ष और तकनीकी जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। बता दें कि 27 दिसंबर को बहादराबाद थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पूर्व विधायक करीब 11 दिनों तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए थे।

अधिवक्ता सिद्धार्थ साह उच्च न्यायालय के न्यायधीश नियुक्त

शपथ ग्रहण

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल निवासी अधिवक्ता सिद्धार्थ साह उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायधीश नियुक्त किये गए हैं। नियुक्त किए जाने पर गुरुवार को उच्च न्यायलय के मुख्य न्यायधीश/ न्यायमूर्ति जी नरेंद्र ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ के दौरान न्यायधीश/ न्यायमूर्ति मनोज तिवारी,रविंद्र मैंठानी, अलोक वर्मा, राकेश थपलियाल, पंकज पुरोहित, आशीष नैथानी, अलोक माहरा, सुभाष उपाध्याय, महा अधिवक्ता एसएन बाबूलकर मौजूद रहें। सिदार्थ साह को हाईकोर्ट का जज नियुक्त किये जाने की अधिसूचना राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद जारी कर दी गई है। राष्ट्रपति की ओर से जारी इस अधिसूचना के अनुसार यह नियुक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 224 के खंड (1) के तहत प्रदान की गई शक्तियों का उपयोग करते हुए की गई है। वर्तमान में एक अधिवक्ता के रूप में उत्तराखंड हाईकोर्ट में अपनी सेवाएँ दे रहे थे। इस दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता डीएस सी रावत ने कहा हाई कोर्ट में आज सिदार्थ साह की शपथ हुई है। बार एसोसिएशन के लिए यह गौरव व ऐतिहासिक का विषय है। न्यायधीश सिदार्थ साह ने हाई कोर्ट से ही प्रैक्टिस की है जिसके बाद आज वो न्यायधीश बने है। न्यायधीश सिदार्थ साह हमेशा अपने काम को प्राथमिकता देते है पूरा समय कोर्ट पर देते थे। इस दौरान पूर्व नयायमूर्ति राजेश टंडन, न्यायमूर्ति बी एस वर्मा, न्यायमूर्ति शरद शर्मा, न्यायामूर्ति सिदार्थ के पिता व अधिवक्ता एम एल साह,वरिष्ठ पत्रकार राजीव लोचन साह,अनूप साह, उनकी बहन अधिवक्ता साईं किरण साह, ब? भाई दीपांजन साह, उनकी पत्नी दीप्ति साह, वेद साह समेत बार एसोसिएशन के महासचिव सौरभ अधिकारी, बार कॉउंसलिंग के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता अवतार सिंह रावत, सुमित बजाज, जसवंत सिंह खाती, सौर्य पांडे,बीसी पांडे, डी एस पाटिल,एम सी कांडपाल, महावीर त्यागी, डीसी जोशी, बीडी कांडपाल, नवनीत कौशिक, सिदार्थ सिंह, हरिमोहन भाटिया, बलवंत सिंह, हरीश राणा समेत मौजूद रहें।

हाईकोर्ट बार एसोसियशन किया मुख्य न्यायाधीश जी.नरेंद्र का सम्मान समारोह

नैनीताल

हमारे संवाददाता

उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुखय न्यायधीश न्यायमूर्ति जी नरेंद्र के 9 जनवरी (शुक्रवार)2026 सेवानिवृति होने से पूर्व वीरवार को हाईकोर्ट बार एसोसियशन द्वारा बार सभागार में सममान समारोह का आयोजन किया गया।

इस मौके पर हाईकोर्ट बार एसोसियशन के अध्यक्ष दिनेश चंद्र सिंह रावत तथा महासचिव सौरभ अधिकारी समेत वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील वशिष्ठ तथा मीना बिष्ट सहित वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने मुखय न्यायधीश को बुके भेंट किये ।

इस अवसर पर मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के अपने एक साल के कार्यकाल को अविस्मरणीय बताया । उन्होंने हाईकोर्ट बार को अनुशासित बताया तथा कहा कि अधिवक्ता मुकदमों की पैरवी के लिये कठिन मेहनत करते हैं। बार एसोसियशन के अध्यक्ष दिनेश चंद्र सिंह रावत व महासचिव सौरभ अधिकारी ने मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र के व्यवहार व उनकी कार्यप्रणाली की सराहना की ।

समारोह में बार एसोसियशन के पदाधिकारी भुवनेश जोशी, विश्वस्त कांडपाल,प्रश्नना कर्नाटक, वरिष्ठ अधिवक्ता अवतार सिंह रावत, पुष्पा जोशी, एस के जैन,ललित बेलवाल, योगेश पचौलिया तथा संजय भट्ट सहित बड़ी संखया में अधिवक्ता मौजूद थे।

जिला जज गोयल को सम्मान और संवेदना के साथ दी अधिवक्ताओं ने विदाई

नैनीताल

हमारे संवाददाता

जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरीश कुमार गोयल के स्थानांतरण पर जिला न्यायालय परिसर में वीरवार को अधिवक्ताओं द्वारा बिदाई समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में बार और बेंच के बीच समन्वय और संवाद को नई मजबूती मिली। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवत प्रसाद ने कहा कि जिला जज हरीश कुमार गोयल का कार्यकाल न्यायप्रिय संतुलित एवं अधिवक्ताओं के हितों के प्रति संवेदनशील रहा वहीं जिला बार एसोसिएशन के सचिव दीपक रूबाली ने कहा कि वे सदैव बार के संरक्षक की भूमिका में रहे और अधिवक्ताओं को हर स्तर पर सहयोग प्रदान किया उनके मार्गदर्शन में न्यायिक प्रक्रिया के साथ.साथ व्यवहारिक पहलुओं को समझने का भी अवसर मिला।

समारोह में जिला बार संघ की ओर से जिला जज गोयल को स्मृति चिन्ह भेंट कर एवं शाल ओढ़ाकर सममानित किया गया।

इस अवसर पर डीजीसी सुशील कुमार शर्मा, संजय सुयाल, नीरज साह, प्रदीप परगाई, शंकर चौहान, शिवांशु जोशी, रवि आर्य, पंकज कुमार, हितेश पाठक, मुकेश कुमार, अनिल बिष्ट, राजेश त्रिपाठी तथा एम बी सिंह सहित बड़ी संखया में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

NEWS / फटाफट

मुक्तेश्वर में सभी संचालित अवैध होमस्टे की जांच मांग

धारी। मुक्तेश्वर में अवैध होम स्टे जाँच की मांग, नियमों के खिलाफ हो रहा होमस्टे का कारोबार। यूकेडी केन्द्रीय संगठन मंत्री चन्दन लोधियाल ने बताया मुक्तेश्वर क्षेत्र में लगभग 200 से अधिक होम स्टे संचालित किये जा रहे है। कई होम स्टे संचालकों के पास 6 से अधिक कमरें है। जिसमें सभी लगभग बाहरी लोगों के हैं जो कि दिल्ली, नोयडा, हरियाणा, लखनऊ आदि बड़े शहरों के निवासी है जिनके द्वारा मुक्तेश्वर क्षेत्र में जमीने खरीद कर उस पर आधुनिक सुविधा सुसज्जित घर बनाया है जिन्हें होम स्टे बना कर पर्यटकों को दिया जा रहा। गैर पंजीकृत होम स्टे खुलेआम सरकार व पर्यटन विभाग को चूना लगा रहे हैं। यूकेडी केन्द्रीय संगठन मंत्री चन्दन लोधियाल ने जिला प्रशासन नैनीताल से मुक्तेश्वर क्षेत्र के सभी होम स्टे के दस्तावेज व लाइसेंस जाँच करने माँग उठाई है।

मल्लीताल में घूम रहे भिक्षुकों को पुलिस ने खदेड़ा

नैनीताल । नगर के मल्लीताल क्षेत्र में घूमकर मांगने वाले भिक्षुकों को पुलिस ने उनके घर खदेडना शुरू कर दिया है। साथ ही उनके सत्यापन की भी जांच की जा रही है। बता दें कि नववर्ष के बाद पर्यटकों के साथ दर्जन से ज्यादा भिक्षुक भी नैनीताल पहुंच गए हैं, जिसके चलते शहर में जगह- जगह भिक्षुक पैंसे मांगकर पर्यटकों व स्थानीय लोगों को परेशान कर रहे हैं। इधर बृहस्पतिवार को मल्लीताल क्षेत्र में पुलिस व पालिका ने अभियान चलाकर भिक्षुकों से पूछताछ कर उनके आधार कार्ड देखे। साथ ही उनके सत्यापन की जांच की। जिसके बाद 25 से ज्यादा भिक्षुकों को नैनीताल से हल्द्वानी को खदेड़ दिया। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हेम चन्द्र पंत ने बताया कि क्षेत्र में घूम रहे भिक्षुकों को शहर से वापस उनके क्षेत्र को भेजा जा रहा है।

रामगढ़ में नि:शुल्क नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

नैनीताल । नैनीताल जिले के मल्ला रामगढ़ में वीरवार को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बता दें शिविर स्वाति आर्य और समाजसेवी सन्नी के प्रयासों से लगा।शिविर में 1000 से ज्यादा जरूरतमंद लोगों की डा.डी.सी. माथुर द्वारा नि:शुल्क जाँच की गई। शिविर के दौरान 9 मरीज मोतियाबिंद तथा तीन मरीज कनट्रेट के चयनित किये गए जिसका शुक्रवार (आज) को हल्द्वानी में भानु पंत की निगरानी में निःशुल्क उपचार होगा। इस अवसर पर विधायक राम सिंह कैडा,पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख प्रदीप ढैला तथा समाजसेवी नवाब हुसैन व अजय पांडे उपस्थित रहें।

कूटा ने प्रो.माधव गाडगिल ने निधन पर जताया शोक

नैनीताल । इकोलॉजी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने वाले पर्यावरणविद् प्रो. माधव गाडगिल (83) का पुणे में निधन हो गया है । कुमाऊं विश्वविधालय शिक्षक संघ (कूटा) ने प्रो. गाडगिल के निधन पर शोक व्यक्त किया है तथा श्रद्धांजलि दी है । कूटा की तरफ से प्रो. ललित तिवारी समेत कूटा परिवार ने दु:ख जताया।

ऑनलाइन कैमरा मंगाया लेकिन पहुंचा खिलौना

नैनीताल । नगर के मल्लीताल निवासी एक युवती को ऑनलाइन माध्यम से सामान खरीदना महंगा पड़ गया। युवती ने ऑनलाइन 6 हजार का कैमरा मंगाया लेकिन पैकेट के अंदर खिलौना निकला। युवती ने कोतवाली में शिकायती पत्र देकर उसकी रकम वापस दिलाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार मल्लीताल निवासी उपास्था रावत ने बीते 22 दिसंबर 2025 (सोमवार) को सोशल मीडिया साइट पर एक कैमरे का विज्ञापन देखा। सबंधित साइट पर दिये गए नंबर पर फ ोन करने के बाद उसने 6 हजार रुपये ऑनलाइन भुगतान भी कर दिया। बुधवार को जब पैकेट घर पहुंचा तो उसमें कैमरा नहीं बल्कि खिलौना निकला। ठगी होने के बाद युवती शिकायत लेकर कोतवाली पहुंची। मामले में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हेम चंद्र पंत ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी
न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

स्कूटी चालक को कार ने मारी टक्कर, चोटिल

नैनीताल । नैनीताल- हल्द्वानी रोड पर हनुमानगढ़ी क्षेत्र में स्कूटी चालक को कार से टक्कर मारने का मामला सामने आया है। घटना में स्कूटी सवाल चोटिल हो गया। शिकायत के बाद पुलिस कार चालक की खोजबीन में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार तल्लीताल निवासी प्रकाश बुधवार की देर शाम स्कूटी से हल्द्वानी की ओर जा रहे थे। हनुमानगढ़ी के समीप वह आगे से जा रही कार से पास लेने लगे तो कार चालक ने उनकी तरफ स्टेयरिंग काट दिया। कार की टक्कर लगने से प्रकाश सड़क पर गिरकर चोटिल हो गया लेकिन कार चालक फरार हो गया। किसी तरह अस्पताल पहुंच उसने उपचार करवाया।

जिसके बाद वह घटना की सूचना देने तल्लीताल थाने पहुंचा। एसओ मनोज नयाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर हल्द्वानी रोड के सीसीटीवी खंगाल कर कार चालक की तलाश की जा रही है।

किसान दिवस 50 किसानों को पौध व बीज वितरित किए

नैनीताल

हमारे संवाददाता

जनपद नैनीताल के अंतर्गत किसानों की विविध समस्याओं/मुद्दों के समाधान और उन्हें तकनीकी एवं वैज्ञानिक रूप से सक्षम व जागरूक बनाने हेतु प्रत्येक माह के द्वितीय वीरवार को विकासखंडवार किसान दिवस का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में वीरवार को जिले का प्रथम किसान दिवस का आयोजन धारी बिकास खण्ड मुख्यालय में किया गया।

इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों और विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित कृषकों को विभागों की योजनाओं, सुविधाओं की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त रासायनिक,उर्वरकों व कीटनाशकों, तकनीकी ज्ञान तथा बीज, खाद, किसान क्रेडिट कार्ड व फ सल बीमा तथा किसान पेंशन आदि अन्य योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही उन्हें प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रचार प्रसार एवं इसे अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया गया साथ ही कृषि, सिंचाई, ऊर्जा तथा समाज कल्याण, उद्यान, सहकारिता, मत्स्य, दुग्ध विकास व पशुपालन व गन्ना मंडी परिषद एवं रेशम आदि विभागों के अधिकारियों के अतिरिक्त कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक तथा इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इन विभागों द्वारा विभागीय स्टॉल भी लगाए गए। इस मौके पर किसानों को विभिन्न प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा 50 किसानों को प्याज तथा बंद गोभी तथा फूल गोभी आदि के पौध व बीज वितरित किए गए।

इस अवसर पर किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र सिंह नेगी, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप बिष्ट, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश चंद समेत जिला पंचायत सदस्य सरना रेखा देवी,ज्येष्ठ उप प्रमुख नंदावल्लभ सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि सहित जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, उपजिलाधिकारी धारी अंशुल भट्ट तथा मुखय कृषि अधिकारी रितु टमटा व विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी तथा कृषि विशेषज्ञ मौजूद रहे।

अभिमत

दवा से जान को खतरा?

विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी दवाएं फायदा करने की जगह मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं। गंभीर मामलों में जान का खतरा हो सकता है। औषधि निरीक्षक ने कंपनियों को दवाओं का उत्पादन रोकने के निर्देश दिये हैं, लेकिन यह जानकारी नहीं है कि सरकारी अस्पतालों और बाजार की दुकानों पर कितनी दवा सप्लाई हुई है। उत्तराखंड की कंपनियों में निर्मित दवाओं के सैंपल फेल होने का यह पहला मामला नहीं है, इससे पूर्व भी कई बार जांच के दौरान दवा के सैंपल फेल हुए हैं।

खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामले आये दिन उजागर होते रहते हैं। मिलावटी खाद्य सामग्री स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ज्यादातर खाद्य पदार्थों में मिलावट आसानी से मालूम पड़ जाती है और सैंपल फेल होने पर सजा का प्रावधान है। दवाओं के निर्माण में कोताही जघन्य अपराध है। मानक पर खरी नहीं उतरने वाली दवाएं जानलेवा साबित होती हैं। केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की लैब में जांच से उत्तराखंड में निर्मित 40 दवाओं के सैंपल फेल हो गये। सबसे अधिक हरिद्वार की 13 कंपनियों की 32 दवाएं हैं। इन कंपनियों की दवाएं सरकारी अस्पतालों में भी सप्लाई होती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी दवाएं फायदा करने की जगह मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं। गंभीर मामलों में जान का खतरा हो सकता है। औषधि निरीक्षक ने कंपनियों को दवाओं का उत्पादन रोकने के निर्देश दिये हैं, लेकिन यह जानकारी नहीं है कि सरकारी अस्पतालों और बाजार की दुकानों पर कितनी दवा सप्लाई हुई है। उत्तराखंड की कंपनियों में निर्मित दवाओं के सैंपल फेल होने का यह पहला मामला नहीं है, इससे पूर्व भी कई बार जांच के दौरान दवा के सैंपल फेल हुए हैं। कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होने से कोई भी कंपनी बंद नहीं हुई है। दवा का सैंपल फेल होने पर कंपनी को बंद करने के साथ ही दोषी को सख्त सजा दी जानी चाहिए, जिससे भविष्य में मरीजों की जान से खिलवाड़ करने का कोई साहस न जुटा सके। जिन दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं उनमें छाती में संक्रमण, टाइप-2 मधुमेह, गर्भवती महिलाओं में मधुमेह, एसिडिटी और पाचन, आंखों में एलर्जी, छींक आना, सर्दी-जुकाम, बुखार, श्वसन एलर्जी, बैक्टीरिया इंफेक्शन, अवसाद, दर्द आदि की दवाएं शामिल हैं। इस मामले में सबसे अधिक गंभीर यह है कि सरकारी अस्पतालों में दवा के नाम पर जहर मिलने से मरीज की जान जाने पर डाक्टर निर्दोष होते हुए भी संदेह के घेरे में आ जायेंगे। सरकारी अस्पतालों में डाक्टरों और कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगता रहता है, जबकि दवा में खामी होने पर मरीज को नुकसान के लिए डाक्टर दोषी नहीं हैं। मानक पर खरी नहीं उतरने वाली दवाएं बाजार की दुकानों पर भी बिक रही हैं। ऐसी दवाओं को निजी अस्पताल के डाक्टर भी मरीज को इस्तेमाल करने के लिए पर्चे पर लिख रहे हैं। दोषी कंपनियों में उत्पादन रोकने के साथ ही तत्काल सरकारी अस्पतालों में इस्तेमाल रोकने के साथ बाजार में दवाओं की बिक्री रोकने से मरीजों को नुकसान से मुक्त किया जा सकता है।

कुमाऊं विश्वविद्यालय में शोधार्थियों से खुला संवाद

समस्याएं, सुझाव और समाधान पर हुई सार्थक चर्चा

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल में कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत द्वारा विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों के पीएचडी शोधार्थियों एवं रिसर्च एसोसिएट्स के साथ एक ओपन हाउस संवाद आयोजित किया गया।

बता दें यह संवाद पूर्णतः शोधार्थी.केंद्रित रहा जिसमें आंतरिक संकाय सदस्यों की उपस्थिति नहीं रखी गई ताकि शोधार्थी बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएँ और सुझाव प्रस्तुत कर सकें। इस अवसर पर बड़ी संखया में पीएचडी शोधार्थियों एवं रिसर्च एसोसिएट्स ने सहभागिता की और विश्वविद्यालय में शोध से जुड़ी शैक्षणिक तथा प्रशासनिक तथा आधारभूत सुविधाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपने अनुभव साझा किए। संवाद के दौरान शोधार्थियों ने विशेष रूप से पेयजल की नियमित उपलब्धता तथा विद्युत आपूर्ति में व्यवधान व वाई.फ ाई कनेटिविटी की समस्याएँ, शोध से संबंधित सॉफटवेयर प्रशिक्षण की आवश्यकता तथा फैलोशिप से जुड़े विलंब और प्रक्रियागत कठिनाइयों को प्रमुखता से उठाया। इस अवसर पर

कुलपति प्रो. रावत ने शोधार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए विश्वविद्यालय की कार्य.संस्कृति में निरंतर सुधार आवश्यक है। उन्होंने शोध की गुणवत्ता और अधिकतम अकादमिक उत्पादकता सुनिश्चित करने हेतु छात्रों को देर शाम तक निरंतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया तथा शोध प्रकाशनों के संदर्भ में स्कोपस सूचीब जर्नल्स में प्रकाशन को प्राथमिकता देने का आह्वान कियाए न कि केवल सामान्य पीयर.रिव्यूड पत्रिकाओं तक सीमित रहने की प्रवृति अपनाई जाए। शोधार्थियों से प्राप्त फीडबैक को गंभीरता से सुनते हुए कुलपति ने सभी बिंदुओं पर सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय प्रशासन शोध.अनुकूल वातावरण के निर्माण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा संवाद में सामने आई समस्याओं के समाधान हेतु ठोस एवं व्यावहारिक कदम उठाए जाएंगे। कुलपति प्रो रावत ने शोधार्थियों को उच्चस्तरीय शोधए अकादमिक अनुशासन और नैतिक शोध.आचरण के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का भविष्य उसके शोधार्थियों की गुणवत्ताए प्रतिबद्धता और नवाचार क्षमता पर निर्भर करता है। संवाद के दौरान शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विगत दो वर्षों में उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने आंतरिक शोध अनुदान तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सममेलनों में सहभागिता हेतु प्रदान की गई वित्तीय सहायता को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इन पहलों से उनके शोध कार्य की गुणवत्ता और दृश्यता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। साथ ही शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय के शोध परिवेश को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कई रचनात्मक सुझाव भी प्रस्तुत किए।

हल्सों में बहुउद्देशीय शिविर का हुआ आयोजन

नैनीताल । सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकासखंड बेतालघाट की न्याय पंचायत घंघरेटी अंतर्गत हल्सों स्थित राजकीय इंटर कॉलेज हल्सों में वीरवार को जन जन की सरकार- जन जन के द्वार बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता विधायक नैनीताल सरिता आर्या द्वारा की गई।

शिविर के दौरान जन समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दिया गया। शिविर में कुल 44 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से 43 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य तरुण शर्मा, क्षेत्र पंचायत सदस्य मीना देवी एवं ज्योति, ग्राम प्रधान धर्मा देवी, दीपा देवी, संजय सिंह, नरेंद्र पाल सिंह, कमल सिंह जंतवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष बेतालघाट प्रताप बोहरा, सांसद प्रतिनिधि मनमोहन सिंह समेत उपजिलाधिकारी श्री कैंचीधाम मोनिका सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल के महिला शौंचालय में संदिग्ध की मौजूदगी के बाद पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल के राजकीय बी.डी. पांडे जिला अस्पताल के महिला शौंचालय में संदिग्ध युवक के पकड़े जाने और पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई पर अस्पताल प्रबंधन ने सवाल उठाए हैं। अस्पताल प्रबंधन की ओर से एसएसपी को शिकायत कर मामले में कार्रवाई की मांग की गई है।

बता दें कि बुधवार को जिला अस्पताल के महिला शौंचालय में ताला लगे होने के बावजूद एक संदिग्ध व्यक्ति मिला। अस्पताल प्रबंधन की ओर से संदिग्ध को पकड ?र कोतवाली पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद संदिग्ध को पुलिस के हवाले कर दिया गया साथ ही कार्रवाई की मांग की गई लेकिन अस्पताल प्रबंधन का आरोप है कि पुलिस ने संदिग्ध को मात्र चालान कर छोड़ दिया है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि ऐसे संवेदनशील मामले में बिना ठोस कानूनी कार्रवाई के संदिग्ध को

छोड़ देना पुलिस कार्रवाई पर सवाल खड़ा करती है। प्रबंधन का यह भी कहना है कि इस तरह की ढील भविष्य में किसी बड़ी आपराधिक घटना को बढ़ावा दे सकती है।

मामले में जिला अस्पताल के पीएमएस डॉ. टी.के. टमटा की ओर से एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी को भेजे गए पत्र में पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने 20 दिसंबर 2025 (रविवार) को भी जिला अस्पताल परिसर में हो रही चोरी और तोड़-फोड़ की घटनाओं को लेकर कोतवाली मल्लीताल को पत्र भेजने व कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है।

अस्पताल प्रशासन ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से पूरे प्रकरण की पुनः समीक्षा कर उचित कानूनी कार्रवाई करने और संबंधित पुलिस कर्मियों की भूमिका की जांच करने की मांग की है, साथ ही अस्पताल परिसर में नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित करने की मांग की है।

फिल्मी दुनिया

बॉर्डर 2 में वरुण धवन की आलोचना किए जाने पर भड़कीं निर्माता निधि

वरुण धवन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, 'घर कब आओगे' गाने के सामने आने के बाद वरुण सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए हैं। अब फिल्म की को- प्रोड्यूसर वरुण के समर्थन में आई हैं और ट्रोलर्स को लताड़ लगाई है।

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की प्रमुख भूमिकाओं वाली 'बॉर्डर 2' रिलीज से पहले सुर्खियों में है। पिछले दिनों फिल्म का पहला गीत 'घर कब आओगे' रिलीज किया गया। गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया और इसने 'बॉर्डर' के गीत 'संदेसे आते हैं' की यादें लोगों के जेहन में फिर से ताजा कर दीं। गाने को काफी पसंद किया जा रहा है। लेकिन इस गाने के सामने आते ही अभिनेता वरुण धवन जरूर नेटिजेंस के निशाने पर आ गए। 'बॉर्डर 2' के टीजर के बाद से नेटिजेंस वरुण धवन को फिल्म की कमजोर कड़ी बता रहे थे। लेकिन 'घर कब आओगे' गाने के रिलीज होने के बाद ट्रोलर्स ने वरुण धवन के लुक, अभिनय और डांस स्टेप की जमकर आलोचना की। अब वरुण धवन के सपोर्ट में 'बॉर्डर 2' की सह-निर्माता निधि दत्ता उतरी हैं। उन्होंने वरुण को ट्रोल करने वालों को राष्ट्र विरोधी करार दिया है।

एक एक्टर को बदनाम करने के लिए पैसे खर्च किए जा रहे

सोशल मीडिया पर वरुण धवन की जमकर आलोचना की जा रही है। नेटिजेंस उनके लुक से लेकर उनके अभिनय तक की आलोचना कर रहे हैं। अब आलोचना के एक सीमा पार कर देने पर फिल्म की सह-निर्माता निधि दत्ता वरुण के सपोर्ट में आई हैं। निधि ने सोशल मीडिया पर वरुण के खिलाफ नफरत भरे कमेंट्स पर प्रतिक्रिया दी। निधि ने इसको लेकर ट्वीट किया। इस ट्वीट में उन्होंने एक पोस्ट को री-ट्वीट किया है, जिसमें वरुण को सोशल मीडिया पर निशाना बनाए जाने के बारे में लिखा गया है। अपने ट्वीट में निधि ने लिखा, 'उन सभी राष्ट्र-विरोधी लोगों को बधाई जो इस देश के लिए लड़ने वाले एक परमवीर चक्र की भूमिका निभाने वाले अभिनेता को बदनाम करने के लिए पैसे खर्च कर सकते हैं।

तेंदुए की दस्तक से क्षेत्र में दहशत

सिडकुल क्षेत्र खेत में नजर आया तेंदुआ

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

पिछले दिनों से सिडकुल क्षेत्र एक कंपनी के गेट के पास खेत में देखे गये तेंदुऐ की दस्तक से रुद्रपुर व आस पास दहशत का माहौल हो गया। सूचना पर क्षेत्र के विधायक शिव अरोरा, डीएफओ,वन विभाग और तहसीलदार समेत पुलिस की टीम मौके पर पहुँची।

वहां पर गेहूं के खेत के पास तेंदुआ नजर आया तो विधायक ने बिना कोई देरी किये वन विभाग व प्रशासन की टीम के साथ खेत में मौके पर पहुंच गये और जब तेंदुआ ने उनकी तरफ देखा तो विधायक ने तत्परता दिखाते हुए वहां से निकल आए। बाद में उन्होंने डीएफओ को निर्देशित किया। इसके बाद टीम बिना विलम्ब किए जाल बिछाकर इसका आवश्यक नियम का पालन करते हुऐ तेंदुए का रेस्क्यू किया। विधायक की मौजूदगी में वन विभाग टीम ने तेंदुए के रेस्क्यू की तैयारी को अपने सामने पूर्ण कराया। विधायक ने सिडकुल व आस पास लगे गांव व रुद्रपुर के लोगो ?ो अपील की तेंदुआ की दस्तक लगातार

दहशत

- विधायक अरोरा की मौजूदगी में वन विभाग से शुरू करवाया रेस्क्यू ऑपरेशन

सिडकुल व आस पास लगे क्षेत्र में नजर आ रही है अपनी जान की सुरक्षा को देखते हुए शाम के समय अकेले बाहर न निकले। विधायक ने कहा कि क्षेत्र की जनता की सुरक्षा उनके लिए सर्वोपरि है और उसके लिए जो भी आवश्यक कदम उठाने होंगे उसके लिए वन विभाग को पूरी तरह से मुस्ताक कर दिया गया है। इस दौरान डीएफओ उमेश कुमार तिवारी, तहसीलदार दिनेश कुमार, वन दरोगा विपिन पांडेय, सिडकुल पुलिस चौकी पुलिस व वन विभाग की टीम मौजूद रही।

कुमाउनी संस्कृति में उत्तरायणी पर्व का विशेष महत्व: महापौर गजराज

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच हीरानगर में आयोजित 9 दिवसीय उत्तरायणी मेला (घुघुतिया त्यार) का विधिवत शुभारंभ हो गया है। गुरूवार को मेयर गजराज सिंह बिष्ट, संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर और अध्यक्ष खड़क सिंह बगडवाल ने फीता काटकर व दीप प्रज्जवलित कर मेले का उदघाटन किया। इस दौरान मेयर ने कुमाऊंनी संस्कृति को ऊंचे पायदान पर ले जाने के साथ ही विश्व मंच पर पहचान दिलाने का आहवान किया।

बता दें कि बुधवार को गोल्ज्यू पूजन, स्वास्ति वाचन और शगुन आखर के साथ उत्तरायणी मेले का शुभारंभ हुआ था। गुरूवार को मेल का उदघाटन हुआ। अपने संबोधन में मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने कहा कि कुमाऊनी संस्कृति को नई पहचान दिलाने के लिए हम सभी को प्रयास करने होंगे। मंच से जुड़े लोगों के अथक प्रयासों से यह सपना साकार होता दिखाई दे रहा है। ऐसे में हमें अपनी पर्वतीय संस्कृतिक को विश्व स्तर पर तक पहुंचाने और इसे पहचान दिलाने के लिए और अधिक लगन और मेहनत से काम करना होगा। साथ युवा पीढ़ी को भी अपनी सभ्यता और संस्कृति से जुड़ाव के लिए प्रोत्साहित करना होगा। इसके लिए पर्वतीय समाज को जागरूक होना होगा। अपनी संस्कृति और अपनी बोली भाषा, पहनावा को महत्व देना होगा। उन्होंने मंच के संस्थापक अध्यक्ष बलवंत सिंह चुफाल के योगदान को याद करते हुए कहा कि पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच की स्थापना में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है। मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने कहा कि मंच के पदाधिकारियों की अथक मेहनत और प्रयासों के बाद मंच आज इस मुकाम तक पहुंचा है। उन्होंने कहा स्वर्गीय चुफाल का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। मेयर गजराज बिष्ट ने कहा मंच बेहतर ढंग से संचालित हो, इसके लिए हम सभी का सहयोग जरूरी है। उन्होंने उत्तरायणी महोत्सव के सफल संचालन के लिए मंच के पदाधिकारियों को बधाई भी दी। इस मौके पर हुकुम सिंह कुंवर, खड़क सिंह बगडवाल, लक्ष्मण सिंह लमगड़िया, देवेन्द्र तोलिया, गोपाल सिंह बिष्ट, त्रिलोक बनौली, शोभा बिष्ट, रत्ना श्रीवास्तव, भुवन चंद्र जोशी, धर्म सिंह बिष्ट, मोहन सिंह बोरा, हेम चंद्र भट्ट, तरूण नेगी, ललित बिष्ट, पुष्पा सम्मल, चंद्रशेखर परगांई, नीरज बगडवाल, कमल किशोर, संदीप भैसोड़ा, कैलाश जोशी, मधु सांगुड़ी, मनोज जोशी, शैलेन्द्र दानू, एनबी गुणवंत, ललित बिष्ट गोविंद बगडवाल, मोहन पाठक, रितिक आर्या आदि लोग मौजूद रहे।हल्द्वानी। पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच हीरानगर में आयोजित 9 दिवसीय उत्तरायणी मेला (घुघुतिया त्यार) का विधिवत शुभारंभ हो गया है।

News कॉर्नर

नादस्पर्शम् में 7 दिवसीय शास्त्रीय संगीत कार्यशाला

हल्द्वानी। बसंत विहार (मुखानी) में नादस्पर्शम् संगीत विद्यापीठ में उत्तरांचल मातृ एवं बाल कल्याण समिति के सौजन्य से 7 दिवसीय संगीत कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसकी सूचना संस्थान के निदेशक डॉ कोमल चंद्र जोशी द्वारा दी गई, उन्होंने बताया कि शास्त्रीय संगीत ने लोगों को शिखर तक पहुंचाया है। आजके स्किलफुल समय में और तनाव भरी जिंदगी से अपने को दूर रखने में संगीत से श्रेष्ठ कोई माध्यम नहीं, उपचार नहीं है। समय की मांग और भविष्य को देखते हुए हर परिवार के एक बालक को किसी न किसी रूप में शास्त्रीय संगीत से जुड़ना अत्यधिक जरूरी है। ऐसे समय में यह कार्यशाला बच्चों और युवाओं के मन में संगीत का एक बीज प्रत्यारोपित करने के कार्य करेगी जो भविष्य में एक वट वृक्ष बनकर समाज को छांव देगा। इन 7 दिनों में कत्थक, हार्मोनियम, गिटार, वोकल, तबला, ढोलक, बांसुरी जैसी कलाओं में इसी बात का अभ्यास और चर्चा होगी।

कैम्प कार्यालय हल्द्वानी में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने गुरुवार को कैम्प कार्यालय हल्द्वानी में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में यातायात व्यवस्था को सरल, सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए किए जाएं सभी आवश्यक कार्य। पुलिस,परिवहन एवं राजस्व विभाग नियमित करें प्रवर्तन की कार्यवाही करें। बैठक में जिले के अत्यधिक दुर्घटना संभावित क्षेत्र लालकुआं, हल्दूचौड़, गोरापड़ाव, तीनपानी क्षेत्र में लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोके जाने हेतु जिलाधिकारी ने कहा कि रुद्रपुर एन एच खण्ड की तकनीकी जांच टीम द्वारा उक्त स्थानों में सड़क डिजाइनिंग एवं तकनीकी में जो खामियां पाई गई हैं और टीम द्वारा सुझाए गए उपाय को एन एच शीघ्र ही ठीक करते उक्त सभी स्थानों में तुरंत ही उन खामियों को दूर कराएं* ताकि इस स्थानों में हो रही वाहन दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बैठक

में जिलाधिकारी ने जिले में वर्तमान में चिह्नित 121 दुर्घटना संभावित स्थल व ब्लैक स्पॉट्स का सड़क निर्माण, राजस्व, परिवहन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को संयुक्त निरीक्षण करते हुए इन सभी स्थानों में रोड सेफ्टी के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि इन स्थानों में अतिक्रमण है तो उसे भी तत्काल अभियान के तहत हटाया जाए। ताकि स्थल सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत सुरक्षित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि हल्द्वानी क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न निर्माण एजेंसियों द्वारा जिन स ?क मार्गो में कार्य किया जा रहा है उन सभी मार्गों का राजस्व, पुलिस व परिवहन विभाग एक अभियान के तहत संयुक निरीक्षण कर लें, कहीं पर भी गड्ढ दिखे,भवन सामग्री गिरी हुई दिखे या पानी लीकेज दिए तो तुरंत उनकी फोटो, वीडियो भेजें, संबंधित एजेंसी से उसे त्वरित ठीक कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि दुघर्टनाओं को पूर्णतया रोके जाने हेतु हर सम्भव उपाय किए जाएं। ऐसे लोगों का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त कराया जाय। पुलिस एवं परिवहन विभाग लगातार प्रवर्तन की कार्यवाही सुनिश्चित करे। बैठक में अधीक्षण अभियंता लोनिवि मनोहर सिंह धर्मशक्तू, पुलिस अधीक्षक (नगर) मनोज कत्याल, संभागीय प्रवीण अधिकारी गुरदेव सिंह। सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने विशाखा दिवाकर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

उत्तराखंड सरकार द्वारा अनाथ बच्चों के लिए निर्गत क्षैतिज आरक्षण के तहत जनपद की प्रथम बालिका बन्नाखेड़ा, बाजपुर निवासी विशाखा दिवाकर का वन दरोगा के पद पर चयन होने पर डीएम नितिन सिंह भदौरिया ने कैम्प कार्यालय में विशाखा दिवाकर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया व उज्जवल भविष्य की कामना की।

डीएम ने कहा कि इस तरह के बच्चें अनेक कठिनाइयों से गुजरते हुए परिश्रम कर इस मुकाम पर हम सबके लिए गर्व की बात है। उन्होने कहा कि अन्य बच्चों को भी विशाखा दिवाकर से प्रेरणा लेकर अपने मुकाम को हासिल करना चाहिए। कोई भी कार्य ईमानदारी व लगन से करने पर किसी भी मुकाम पर पहुंचा जा सकता है। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा असहाय बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाएं चलाई जा रही है। इसी कड़ी में जनपद में बच्चों की पढ़ाई के लिए कोचिंग सेंटर व लाईब्रेरी बनायी जा रही है। उन्होने जिला प्रोवेशन अधिकारी को निर्देश दिये कि इस तरह के बच्चों को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित करें ताकि हर कोई अपना सपना पुरा कर सकें।

विशाखा दिवाकर ने बताया कि माता-पिता के निधन हो जाने पर बहुत कठिनाईयों का सामना करते हुए शिक्षा ग्रहण की तथा परिश्रम करती रही। उन्होने बताया कि मेरे माता-पिता का सपना था कि मै अच्छे से बड़ाई कर राजकीय सेवा में जाउ, जो आज मेरा व माता-पिता का सपना पुरा हुआ है। उत्तराखंड सरकार ने दिये गये क्षैतिज आरक्षण कारण मेरा वन दरोगा के पद पर चयन हुआ है। जिसके लिए मै उत्तराखंड सरकार एवं सीएम पुष्कर सिंह धामी का धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, जिला प्रोवेशन अधिकारी व्योमा जैन, विशाखा दिवाकर के चाचा चन्द्रपाल दिवाकर, चाची कुसुम आदि मौजूद थे।

स्वास्तिक राईस लैंड प्राईवेट लिमिटेड के निदेशक समेत तीन के खिलाफ मुकदमा

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

कार्रवाई

- **धान के स्टाक का भौतिक सत्यापन कराया गया तो मिल में धान का कोई स्टाक उपलब्ध नहीं मिला था**

उत्तराखंड प्रादेशिक को-आपरेटिव यूनियन लिमिटेड के प्रबंधक धीरज कुमार ने कोतवाली पुलिस रुद्रपुर को शिकायती पत्र सौंपा। उन्होंने शिकायत में कहा उत्तराखंड प्रादेशिक को-आपरेटिव यूनियन लिमिटेड देहरादून ने मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान खरीद 2023-24 में संचालित धान क्रय केंद्रो से कुटाई के लिए स्वास्तिक राईस लैंड प्रा. लि. ग्राम बिंदुखेडा दानपुर रुदपुर को 4462 क्विंटल धान का प्रेषण किया था। खरीद नीति के अनुसार राईस मिल द्वारा 67 प्रतिशत रिकवरी के अनुसार कुल 2989.54 क्विंटल चावल राजकीय गोदामों में जमा कराया जाना था। परंतु अंतिम तिथि तक केवल 178.20 क्विंटल चावल ही दिया गया। अवशेष 2811.34 क्विंटल चावल नहीं दिया। इसकी रिकवरी के लिए राइस मिल के भौतिक सत्यापन के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजा। जिस पर नायब तहसीलदार रुद्रपुर सुरेश चन्द्र बुढलाकोटी की अगुवाई में धान के स्टाक का भौतिक सत्यापन कराया गया, मिल में धान का कोई स्टाक उपलब्ध नहीं पाया। भौतिक सत्यापन के उपरांत कंपनी के निदेशक पुरुषोत्तम दास अग्रवाल पुत्र खुशी राम अग्रवाल ने एक शपथ पत्र प्रबंध निदेशक उत्तराखंड प्रादेशिक को-आपरेटिव यूनियन लिमिटेड के कार्यालय को दे छह माह का समय मांगा गया। छह माह बाद भी चावल की आपूर्ति न होने पर जब वह व्यक्तिगत रूप से कंपनी के निदेशक पुरुषोतम दास अग्रवाल व उनके पुत्र आशीष अग्रवाल से मिले तो उन्होंने जल्द ही बैंक से ऋण स्वीकृत हो जाने पर भुगतान का भरोसा दिलाया। उसके उपरांत उनके द्वारा 15 जून 2025 को अपने अधिवक्ता के माध्यम से उनकी मेल पर व रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से पत्र भेज गारंटी के दिए गए चेक बिना उनकी सहमति के लिए भुगतान के लिए न लगाने के लिए कहा।

जिस पर अठानवे लाख सैतालीस हजार सात सौ अठासी रुपये की रिकवरी के लिए दो जुलाई 2025 को स्वास्तिक राईस लैंड प्रा. लि. व कंपनी के निदेशक पुरुषोत्तम दास अग्रवाल पुत्र खुशीराम अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल पत्नी पुरुषोत्तम दास अग्रवाल को नोटिस दे 10 जुलाई 2025 तक का अंतिम अवसर दिए जाने का नोटिस जारी किया गया। लेकिन कोई भुगतान नहीं किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पुरुषोत्तम दास अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल, लेखाकार राजेंद्र सिंह के विरुद्व प्राथमिकी पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी।

स्वास्थ्य विभाग की सहारा,मदर चाइल्ड, साईं हॉस्पिटल पर कार्रवाई

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

निजी अस्पतालों में मनमानी और नियमों की अनदेखी पर स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रवैया अपनाया है। तीन दिन पहले बाजपुर के सहारा हॉस्पिटल, मदर चाइल्ड हॉस्पिटल और साईं हॉस्पिटल में खामियां मिलने पर विभाग ने इन पर जुर्माना लगाते हुए नोटिस जारी किए हैं। साथ ही स्पष्ट कर दिया गया है कि यह कार्रवाई केवल शुरुआत है। स्वास्थ्य विभाग की टीम के निरीक्षण में सामने आया कि कुछ अस्पतालों में पंजीकरण संबंधी शर्तों का ठीक से पालन नहीं,रिकॉर्ड अधूरे,संक्रमण नियंत्रण व्यवस्था कमजोर और जरूरी सूचनाएं सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं की गई थीं। कमियों को नजरअंदाज न करते हुए विभाग ने तत्काल आर्थिक दंड लगाया और सुधार के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों के मुताबिक मरीजों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नोटिस में अस्पताल प्रबंधन को चेताया गया है कि यदि तय समय सीमा के भीतर व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं की गईं तो अगली कार्रवाई और अधिक कड़ी होगी। जिसमें लाइसेंस निलंबन तक की कार्रवाई शामिल हो सकती है। सूत्रों की मानें तो स्वास्थ्य विभाग फिलहाल यहीं रुकने के मूड में नहीं है। बाजपुर के अलावा किच्छा, सितारगंज, खटीमा व शहर क्षेत्र के कई अन्य निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम्स की कुंडली खंगाली जा रही है। पुराने रिकॉर्ड, शिकायतें, पंजीकरण की वैधता और उपचार व्यवस्था से जुड़े बिंदुओं को बारीकी से जांच की जा रही है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि आने वाले दिनों में और अस्पतालों पर कार्रवाई संभव है। उधर आम नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग के इस रुख का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से निजी अस्पतालों पर निगरानी की मांग उठ रही थी, जिस पर अब अमल होता दिख रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने साफ कर दिया है कि उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को मानक, सुरक्षित और पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएं मिलें।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम आस्था पाण्डे से बदलकर आस्था पंत रख लिया है, अतः भविष्य में मुझे आस्था पंत नाम से जाना, पहचाना जाये। - **आस्था पंत पत्नी, अमित पंत तीनताश आपोजिट महर्षि स्कूल देवलचौड़ खाम, हल्द्वानी (नैनीताल)**

आस्था के नाम पर 'अतिक्रमण' बर्दाश्त नहीं: महापौर

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

गंगापुर रोड शैलजा फार्म स्थित विवादित स्थल से अतिक्रमण हटाए जाने की बड़ी कार्रवाई के दौरान महापौर ने मौका मुआयना कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नगर निगम की टीम ने इस दौरान भारी पुलिस बल की मौजूदगी में करीब 6 एकड़ भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। महापौर ने चेतावनी देते हुए कहा कि धार्मिक स्थल की आड़ में सरकारी भूमि पर कब्जा जमाना 'लैंड जिहाद' की श्रेणी में आता है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस 6 एकड़ बेशकीमती भूमि पर वर्षों से कब्जा जमाया गया था। इस मामले में आरोपी कालनेमि बाबा ने न केवल पुलिस और प्रशासन को चुनौती दी, बल्कि न्यायालय को भी गुमराह करने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में अवैध अतिक्रमण और लैंड जिहाद और कालनेमि बाबाओं के विरुद्ध जो अभियान चलाया जा रहा है, आज की कार्रवाई उसी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। महापौर ने कहा कि प्रशासन पहले ही कई बार नोटिस जारी कर कब्जा छोड़ने की हिदायत दे चुका था, लेकिन हठधर्मिता के चलते अंततः यह सख्त कदम उठाना पड़ा। उन्होंने बताया कि नगर निगम ने खेड़ा में ईदगाह की आड़ में कब्जाई गई करोड़ों की भूमि मुक्त कराई गई थी और किच्छा रोड पर भी मंदिर की आड़ में किए गए अवैध कब्जे को हटाया गया था। आज की कार्रवाई ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि नगर निगम का अभियान निष्पक्ष और पारदर्शी है। निगम का उद्देश्य किसी धर्म को निशाना बनाना नहीं, बल्कि सरकारी संपत्तियों को भू-माफियाओं के चंगुल से छुड़ाना है। मैं अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध यह अभियान भविष्य में भी इसी तीव्रता के साथ जारी रहेगा।

मुक्त कराई गई भूमि की उचित घेराबंदी की जाए ताकि भविष्य में दोबारा कब्जा न हो सके। इस भूमि का उपयोग भविष्य में जनहितकारी योजनाओं के लिए किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।